तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का 7वां राष्ट्रीय अधिवेशन

दिनांक 16 व 17 अगस्त 2014 को तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का 2 दिवसीय 7वां राष्ट्रीय अधिवेशन का अध्यात्म साधना केन्द्र महरौली में आयोजन किया गया। अधिवेशन पूज्यप्रवर आचार्य श्री महाश्रमण के पावन सान्निध्य में थीम– एडाप्ट, चैन्ज, इनोवट (Adopt, Change, Innovate) के साथ प्रारम्भ हुआ।

उद्घाटन सत्र–

अधिवेशन में देश–विदेश के 19 राज्यों से 48 शहरों से करीब 485 प्रोफेशनलस प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जया राखेचा अधिवेशन सह–संयोजक ने किया। टी.पी.एफ. सदस्यों द्वारा टी.पी.एफ. गीत '' यह संग हमारा, हम सैनिक है नन्दनवन है प्यारा'' का संगान मंगलाचरण के रूप में किया गया।

टी.पी.एफ. दिल्ली के अध्यक्ष व कॉन्फ्रेंस के सह–संयोजक श्री विजय चौपड़ा ने स्वागत भाषण द्वारा सभी सहभागियों का स्वागत किया।

आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी द्वारा भी टी.पी.एफ. सदस्यों का स्वागत किया गया।

संजय धारीवाल – राष्ट्रीय अध्यक्ष (2012–14) द्वारा सभी सहभागियों को टी.पी.एफ. की गतिविधियों की जानकारी दी गई। श्री धारीवालजी ने मुख्यतः टी.पी.एफ. गतिविधियों/उद्देश्यों का 3 विभागों में विभाजन किया– आध्यात्मिकता, चिकित्सा, एवं शिक्षा।

अधिवेशन प्रारम्भ से पूर्व रात्रि कार्यक्रम 15 अगस्त 2014 में टी.पी.एफ. की चौथी वार्षिक साधारण बैठक रखी गई। जिसमें सभी सदस्यों की सहमति से श्री सलील लोढ़ा को आगामी वर्ष 2014–16 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्री संजय धारीवाल के कार्यकाल के समापन तथा श्री सलील लोढ़ा की नियुक्ति एवं कार्यकाल प्रारम्भ का कार्यक्रम हुआ। श्री संजय धारीवाल द्वारा टी.पी.एफ. की बागडोर श्री सलील लोढ़ा को सौंपी गई तथा सलील लोढ़ा द्वारा अपनी नवनिर्वाचित टीम के साथ शपथ ग्रहण समारोह हुआ। सलील लोढ़ा ने उपस्थित जनमेदिनी को बताया कि संजय धारीवाल ने इस संस्था को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि संजय धारीवाल के सिर्फ पद स्थानान्तरण हुआ है, कार्य/कर्तव्य स्थनान्तरण नहीं, मुझे संजय धारीवाल का साथ इसी प्रकार मिलता रहे, उनके सहयोग व साथियों के साथ मिलकर कार्य करेंगे और इस संस्था को ऊंचाईयों तक लेकर जाएंगे।

टी.पी.एफ. अधिवेशन के साथ–साथ मेधवी छात्र प्रोत्साहन परियोजना अधिवेशन का भी आयोजन हुआ। यह महासभा द्वारा संचालित उपक्रम है। महासभा उपाध्यक्ष श्री पुष्प पटावरी एवं परियोजना के नियोजन श्री बजरंग बोथरा द्वारा वक्तव्य दिया गया। इन्कम टैक्स कमीशनर व मेधावी छात्र प्रोत्साहन परियोजना के संयोजक श्री के.सी. जैन द्वारा गतिविधियों की जानकारी दी गई।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में कल्याण परिषद् द्वारा निर्णय लिया गया था उसकी जानकारी दी गई कि 2014 से मेधवी छात्र प्रोत्साहन परियोजना की बागडोर अब टी.पी.एफ. के हाथ में रहेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रोफेशनलस को गुरूदेव के पावन पाथेय का सुअवसर प्राप्त हुआ। गुरूदेव ने उपस्थित सदस्यों को उद्बोधन देते हुए फरमाया कि गाथ ग्रंथ में 10 प्रकार के श्रमण धर्मों को बताया गया है, साधुओं को तो 10 धर्मों की आराधना करनी चाहिए। एक धर्म है –शांति। साधु को सहिष्णु होना चाहिए, महान प्रसन्नता वाला होना चाहिए। प्रोफेशनल और मेधावी छात्रों की ओर इंगित करते हुए फरमाया कि आज यहां बुद्धि से जुड़े हुए लोग बैठे हुए है। मेधा का संगम है। प्रोफेशनलस भी मेधावी है। बिना मेधा के प्रोफेशनल बनाना भी संभव नहीं है। मेधा वह तत्व है।

जो अपने आप में धारण करने में सक्षम होता है। प्रोफेशनल्स और मेधावी दोनों ही बुद्धि के क्षेत्र में जीने वाले होते है, जीवन में बुद्धि का बड़ा महत्व है। जीवन में बुद्धि के विकास के साथ– साथ भावात्मक विकास भी होना चाहिए। आदमी के पास अगर बुद्धि है और वह शुद्ध है तो वह एक प्रकार से कामधेनू है, कल्पवृक्ष है। शुद्ध बुद्धि चिंतामणि रत्न के समान है। Intellectual Development Emotional Development से जुड़ा हुआ है। IQ के साथ EQ का भी बड़ा महत्व है।

गुरूदेव ने फरमाया कि 10 धर्मों में एक धर्म क्षमा बताया गया है। बुद्धिजीवी लोगों में क्षमा करने की, सहन करने की क्षमता भी हो। दो प्रकार की शक्ति होती है– समझ शक्ति और सहन शक्ति। क्षमा का विकास हो जाए तो मानना चाहिए कि आध्यात्मिक दृष्टि से भावात्मक विकास का एक आयाम तो आ गया। गुस्से से अशुभ कर्मों का उदय होता है। मेधावी छात्र एवं टी.पी.एफ. सदस्य स्वयं सोचे कि गुस्से की आदत कैसी है। गुस्सा विवेक का लोप करने वाला होता है। सभी सदस्यों को अवगत कराया कि टी.पी.एफ. का बीज गुरूदेव तुलसी ने उत्पन्न किया था। दिल्ली के ही FICCI Auditorium में बुद्धिजीवी सम्मेलन हुआ था। टी.पी.एफ. गुरूदेव तुलसी और महाप्रज्ञ की ही देन है।

नव निर्वाचित टीम को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज सलील लोढ़ा के नेतृत्व में एक नई टीम सामने आई है। परिवर्तन का समय है जो टीम अच्छा काम करे उस टीम को लम्बा समय भी दिया जा सकता है। संजय धारीवाल ने अच्छा काम किया, बहुत सौम्य आदमी है। सलील लोढ़ा इस मंच को आगे बढ़ाने का प्रयास करे। नये कार्यों का प्रयास करे। शपथ को भी यथावत निभाने का प्रयास होना चाहिए।

मेधावी टी.पी.एफ. से जुड़ रहा है। मेधावी विद्यार्थियों की मेधा के विकास के साथ–साथ मर्यादा का भी विकास हो। मेधावी व टी.पी.एफ. दोनो उपक्रम अच्छा काम करे, विकास करे। भौतिक विकास के साथ–साथ आध्यात्मिक विकास भी बढ़ाने का प्रयास करे, यही मंगलकामना है।

आचार्य श्री प्रेरणा पाथेय के बाद स्व. श्री धर्मचन्द्रजी पुगलिया की पुण्य स्मृति में श्रीमती किरणदेवी पुगलिया के आशीर्वाद से भीखमचंद –सुशीलादेवी पुगलिया श्रीडूंगरगढ़–कोलकाता के आर्थिक सहयोग द्वारा एक किचन बस (आरोग्यम्) का चाबी भेंट का कार्यक्रम पूज्यप्रवर की सन्निधि में आयोजित हुआ तथा चाबी को तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम को सौंपा गया।

बीदासर निवासी सूरत प्रवासी दिपांशु सेखानी ने एक मोबाईल प्रोजेक्टर जो 20X20 का पर्दा पर दिखा सकता है तथा एक लेपटॉप (जिसमें भारत का पहला मदरबोर्ड तथा संसार का उम्र से सबसे छोटा व्यक्ति द्वारा निर्मित) तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम को भेंट किया।

अलग–अलग क्षेत्र से आये हुए वक्ताओं ने अपने वक्तव्य दिए। अधिवेशन के संयोजक श्री एम.के. दूगड़, श्री अभिषेक मनु सिंघवी (MP, Congress Speakerperson), श्री पी.सी. पारख (IAS, Ex-Secretary, Ministry of coal), पदमश्री आलोक मेहता (Editorial Director, Talent Media Network), श्री महेश गुप्ता (Chairman, KENT RO), श्री रिखब सी जैन (Chairman, TT Limited), श्री सतीश अग्रवाल (Chairman, Kamdhenu Group), श्री डी.आर. मेहता (Ex-chairman, SEBI), श्री मूलचंद मालू (Chairman, Kuder Group), श्री सुनील भंसाली सचिव, उतर क्षेत्र द्वारा सभी को धन्यवाद व गुरूदेव का आभार प्रकट किया।

अधिवेशन के कार्यक्रम को कई सत्रों में विभाजित किया गया।

प्रथम सत्र–

विषय– Role of professional and their national contribution towards development of religion & society

सत्र का संचालन श्री विजय चौपड़ा द्वारा किया गया एवं इस सत्र में सभी सदस्यों को मुनि श्री दिनेशकुमारजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। श्री पी.सी. पारख (IAS, Ex-Secretary, Ministry of coal), FCA दिनेश कोठारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि संस्कारों का निर्माण बचपन से ही होना चाहिए। बड़ी उम्र में आने के बाद परिवर्तन संभव नहीं है। राहुल भूतोड़िया (Director- Indcap Advisors) ने अपने विचार प्रकट किए।

मुनि दिनेशकुमारजी ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि धर्म और समाज दोनों अलग है। धर्म के दो प्रकार बताए गए है। संवर और निर्जरा। संवर का मतलब कर्मों का आने से रोकना तथा निर्जरा का मतलब बंधे हुए कर्मों को काटना। मुनि श्री ने एक छन्द के माध्यम से सभा को संबोधित किया। अगले क्षण का आभास इतना जरूरी है। जितना जीने के लिए श्वास जरूरी है। आज यहां प्रबुद्ध लोग बैठे हुए है। उनके भीतर में अहोभाव होना चाहिए। समाज के अंदर धर्म होना चाहिए। आत्मा के साथ धर्म जुड़ जाए।

कार्यक्रम के समापन पर पधारे हुए वक्ताओं को मोमेन्टो तथ साहित्य से सम्मानित किया गया तथा आभार ज्ञापन टी.पी.एफ. दिल्ली के सदस्य अभय चण्डालिया द्वारा किया गया।

द्वितीय सत्र–

विषय– TPF Today & Tomorrow

डॉ. मुनि रजनीशकुमारजी के सान्निध्य में दूसरे सत्र में टी.पी.एफ. सदस्यों को टी.पी.एफ. उपक्रमों की जानकारी दी गई। सत्र के चैयरमेन रेल्वे विभाग के अजमेर क्षेत्र के रेल प्रबंधक श्री नरेश सालेचा ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। संजय धारीवाल एवं सलील लोढ़ा ने भी TPF Today & Tomorrow पर प्रकाश डाला। टी.पी.एफ. सदस्य श्री निर्मल संचेती द्वारा स्प्रिच्युल कॉर्स की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी गई। के.सी. जैन द्वारा मेधवी छात्र प्रोत्साहन परियोजना के उपक्रमों की जानकारी दी गई। श्री संजय जैन ने उड़ान एवं मेंटरशिप से सदस्यों को अवगत कराया। अन्य सदस्यों के द्वारा सिविल सर्विसेज – जया राखेचा, ए.टी.एम. हॉस्पीटल– नवीन पारख, कामर्स स्टडी सेन्टर– प्रकाश मालू, लीगल सेल– दिलीप कावड़िया एवं नॉलेज एण्ड एक्सप्रीयेन्स बैंक के बारे में सुन्दरलाल मालू ने तथा अन्य कार्यक्रम के अन्त में डॉ. मुनि रजनीशकुमारजी ने अपने विचार व्यक्त किए।

हमारी संस्था के माध्यम से समय–समय पर मार्गदर्शन देने वाले मुनि श्री रजनीशकुमार द्वारा टी.पी.एफ. सदस्यों व कार्यकर्ताओं को कुछ मुख्य संदेश दिए–

– यह संस्था सिर्फ टी.पी.एफ. के लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के साथ काम करे।

– सामाजिक गतिविधियों के साथ–साथ आध्यात्मिक गतिविधियों भी जुड़े।

– जै.वि.भा.वि. के कॉर्स के साथ जुड़े। दिल्ली में चलाई जा रही संबोध कार्यशाल पूरे देश में एक ही विषय पर चले।

– यह संस्था संगठनमूलक संस्था है। संघ पर किसी प्रकार की आंच न आए। संघ के कार्यों के प्रति जागरूक रहे।

– पदाधिकारीगण एक्टिव रहे। हर क्षेत्र को संभाले। सभी पदाधिकारी अपने दायित्व के प्रति जागरूक रहे।

– जहां तक हो सके आमंत्रित प्रवक्ताओं में समाज के प्रवक्ताओं का उपयोग करे।

– संस्था की हर गतिविधियों का एक प्रणाली हो। चुनाव प्रक्रिया का भी एक सिस्टम हो।

– नये सदस्यों की सहभागित बढ़े।
– एक दूसरे में सामंजस्य हो, एकजुटता हो, एक दूसरे का सहोग करे।
– संघ और संघपति के प्रति समर्पित रहे। ऐसे कार्य करे जिससे धर्मसंघ को आध्यात्मिक लाभ मिल सके।
आभार ज्ञापन –

तृतीय सत्र–

विषय– How social media & networking can play a part in development of religion or other topic

तीसरा सत्र मुनि श्री कुमारश्रमणजी के सान्निध्य में प्रारम्भ हुआ। औद्योगिक क्षेत्र से कई विभागों से आए प्रवक्ताओं ने प्रस्तुत विषय पर प्रस्तुति दी। श्री मोहित जैन (MD-northwest) ने PowerPoint presentation के माध्यम से सदस्यों का विषय समझाया जिसे सदस्यों द्वारा सराहा गया। मुनि श्री के साथ इंटरएक्टिव सत्र रहा। प्रस्तुत विषय पर कई सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाएं प्रकट की व मुनि श्री द्वारा सदस्यों के जिज्ञासा समाधान किया। उनका समुचित समाधान किया। हिमांशु बैद MD of Polymedicure Ltd.), आर. एम. कास्तियां (HFCL), मोहित जैन (MD, Northwest), अरूण अग्रवाल ने अपने social media & networking पर विचार व्यक्त किए। सत्र के समापन पर आमंत्रित वक्ताओं का मोमेन्टो तथा साहित्य से सम्मान किया गया। आभार ज्ञापन हेमा जैन ने किया।

चौथा सत्र–

विषय– Question answer with H.H. Acharya Shri Mahashrman

रात्रिकालीन सत्र परम पूज्य गुरूदेव आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में हुआ। सत्र के दौरान टी. पी.एफ. सदस्यों द्वारा गुरूदेव से प्रश्नोतरी तथा जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। डॉ. महेश सिंघवी, डी.सी. सुराणा, आई.ए.एस सारिका जैन, आई. आर.एस. सचिन जैन जीन्द, प्रोजेक्टर एवं लेपटॉप निर्माता दिपांशु सेखानी का मोमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया। आभार ज्ञापन श्री विजय चौपड़ा ने किया।

पांचवा सत्र–

विषय– Woman in decision making position role, responsibility & challenges

पांचवे सत्र मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रतुविभाजी के सान्निध्य में हुआ। इसमें सत्र का संचालन रितु चौरड़िया ने किया। तथा आमंत्रित प्रवक्ता दिशा भंडारी रही। श्रीमती रितु चौरड़िया ने प्रस्तुत विषय पर प्रकार डालते हुए कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी।

Requirement of following in a woman-

- Zeal
- Balance between profession & family
- Health is wealth
- Family support & encouragement

If you educate a man, u educate a man

If you educate a women, u educate a generation

डॉ. अल्का अग्रवाल तथा दिशा भंडारी सत्र के विषय पर प्रकाश डाला गया। जैन विश्व भारती संस्थान के उपकुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी ने विषय पर प्रस्तुति दी तथा मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी ने से उद्‌बोधन प्राप्त हुआ।

समणी चारित्रप्रज्ञाजी ने तीन बातों की जानकारी दी– समता, ममता एवं क्षमता। तीनों का समन्वय है।

छठा सत्र–

विषय– Wellness, Happiness of terapanth professional for welfare of society

डॉ. के.के. अग्रवाल सत्र के चैयरमेन रहे जिन्होंने बहुत ही सुचारू रूप से सत्र को संभाला। विभिन्न अस्पतालों से पदमभूषण एवं पदम श्री पद से सुशोभित डॉक्टर्स ने कार्यक्रम में सदस्यों के लिए जरूरी जानकारी दी। Health related – liver, heart, kidney पर विस्तृत रूप में चर्चा की गई।

डॉक्टर्स ने बताया कि अगर हम जैन धर्म को Follow करते है तो हमेशा Healthy रहेंगे। प्रत्येक सप्ताह उपवास, अहिंसा की साधना करे।

हृदयरोग विशेषज्ञ पदमश्री डॉ. अशोक सेठ ने बताया कि

Wealth is lost, nothing is lost

Health is lost, something is lost

Character is lost, everything is lost

therefore health # wealth

For healthy life – remove negativity, share & take care gives happiness, mediation brings positivity & spiritual life gives happiness.

Doctor के मध्य Panel Discussion रहा। सी.ए. वैद जैन ने अपने विचार व्यक्त किए। मुनि श्री अभिजीत कुमारजी का उद्‌बोधन प्राप्त किया। सत्र का संचालन ओम डागा तथा आभार ज्ञापन डॉ. सरोज मालू ने किया।

सांतवा सत्र–

विषय– Valedictory session

अधिवेशन का अंतिम सत्र पूज्यप्रवर महाश्रमणजी के सान्निध्य में हुआ। स्वागत भाषण श्री सलील लोढ़ा द्वारा दिया गया। टी.पी.एफ. की सभी शाखाओं में दो अच्छी शाखाओं का अवार्ड प्रदान किया।

Best Metro Branch Award – Delhi

Best Non Metro Branch Award – Raipur

Spiritual prize for Jain Spiritual Classes – Banglore & Chennai

Legal help for professional in Jail – Siliguri

पूज्यप्रवर ने टी.पी.एफ. सदस्यों को तीन संकल्प करवाए –

–पूरा टी.पी.एफ. समाज सदैव नशा मुक्ति का संकल्प करे।

– प्रतिदिन नवकार मंत्र की माला

– एक सामायिक एक माह में सुखे समाधे।

– श्री जीतमलजी चौरड़िया द्वारा 100 चिकित्सा शिविर का का आयोजन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

– श्री भीखमचंद पुगलिया ने टी.पी.एफ. को डॉक्टर्स के रहने की तथा किचन की सुविधा हेतु अत्याधुनिक सुसज्जित बस (आरोग्यम्) भेंट की।

– अभ्युदय ग्रुप द्वारा दीक्षा के उपलक्ष्य में 43 दीक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

अंतिम सत्र में मुनि धनंजयकुमार का मंगल उद्‌बोधन प्राप्त हुआ। मुनिश्री ने फरमाया कि बुद्धिजीवी लोग चिंतनशील होते है। अपनी सोच होती है। विचारों की दुनिया में बहुत समाधन है तो कुछ समस्याएं भी है। तेरापंथ धर्म में समस्याओं के कम होने का एक ही कारण है– एक शासन, एक गुरू दृष्टि। टी.पी. एफ. को सफल होना है। तो तर्क के साथ साथ श्रद्धा का बल भी रखना होना। इसकी पृष्टभूमि में बहुत लोगों का श्रम रहा है। संयम अनुशासन, गुरूदृष्टि जीवन में इस प्रकार समाए कि हर सदस्य दिव्य आभा से सम्पन्न बने जिस बीज का अंकुरण हुआ वो शिखर को छूए। सत्र संचालन ओम डागा ने किया।

श्री संजय धारीवाल द्वारा सभी का आभार ज्ञापन व खमत खामणा किया गया। श्रीमती जया राखेचा ने दिल्ली टी.पी.एफ. समाज की तरफ से व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की असुविधा रही हो तो उसके लिए सभी से खमत खामणा की गई। इस संघ को मुनि श्री रजनीशकुमार का सदैव मार्गदर्शन मिलता रहता है। दिल्ली टी.पी.एफ. द्वारा सभी पधारे हुए सदस्यों के लिए Visit to Kindom of Dreams रखा गया।

सत्र के दौरान नव निर्वाचित वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश मालू ने अधिवेशन में संभागी बने सभी प्रोफेशनल्स का आभार व्यक्त किया। टी.पी.एफ. उत्तर क्षेत्र की दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, जीन्द के सदस्यों ने विशेष परिश्रम से इस अधिवेशन में चार चांद लगा दिये। विशेष तौर से तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम कैम्प आफिस प्रबंधक कमलेश भाटी तथा उसकी टीम का सराहनीय सहयोग रहा।